अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस समारोह में कोटा जिले की 100 बालिकाओं का सम्मान

कोटा। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर कोटा में सूचना केंद्र पर आयोजित समारोह में जिले की 100 बालिकाओं का सम्मान कर उनका होंसला बढ़ाया और अन्य बालिकाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। जिले में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली दो- दो बालिकाओं को पांच 5 हजार रूपये का चेक प्रदान किया गया। ब्लॉक स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में अग्रणी रही 96 बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जिले के विभिन्न विद्यालयों से आई बालिकाओं ने विज्ञान के मॉडल प्रदर्शित किए एवं नुक्कड़ नाटक, आत्मरक्षा प्रदर्शन एवं लोक गीतों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के माध्यम सेअपनी प्रतिभा का परिचय दिया। एडीपीसी समग्र शिक्षा के पुष्कर राज, कार्यक्रम अधिकारी जगदीश सोनी को भी उनके कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

प्रदर्शित विज्ञान माडल में सुल्तानपुर ब्लॉक के राउमावि में कक्षा 11 में अध्ययनरत् छात्रा अंकिता गोचर ने “ऑपन डोर सेफ्टी डिक्टेटर” का मॉडल प्रदर्शित किया जिसमें चमगादड़ की आंखों से निकलने वाली सहूंग तरंगों के आधार पर बैंक, आवास आदि की सुरक्षा के लिए मोबाइल का उपयोग कर उपकरण तैयार किया। इसमें अज्ञात व्यक्ति के प्रवेश करते ही सायरन बज उठता है तथा मोबाइल के माध्यम से पांच नम्बरों पर आकस्मिक मैसेज व फोन चला जाता है। इस मॉडल में कीपैड मोबाइल, सैंसर व विद्युत केबलों का उपयोग किया गया है जिसमें 8 हजार रूपये की लागत आई है।

इसी प्रकार राउमावि श्रीनाथपुरम में कक्षा 11 में अध्ययनरत् छात्रा डिंपल प्रजापत ने “इलेक्ट्रीसिटी प्रोडयूसिंग बाय जिम” के मॉडल का प्रदर्शन किया। इसमें यांत्रिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में प्रवर्तित किया गया है। जिम करते समय यंत्रों से निकलने वाली ऊर्जा को विद्युत में बदलकर बैट्री में स्टोर किया गया है। जिम सेंटर में आकस्मिक बिजली चले जाने पर स्वत: ही इस बैट्री से लाइटें जल उठतीं हैं। इसमें जिम के साथ बिजली उत्पादन का संदेश दिया गया है।

समारोह के मुख्य अतिथि जिला कलक्टर ओपी बुनकर ने कहा कि भारत की बेटियां आज विश्वभर में अलग-अलग विद्याओं में अपना नाम रोशन कर रहीं हैं। बेटियों को निडर होकर अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना चाहिए। सभी अभिभावकों को बिना किसी भेदभाव के समान अवसर प्रदान कर बेटियों को सपने पूरे कराने का वक्त आ गया है।
विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमा शर्मा ने बालिकाओं को पुलिस के द्वारा महिला सुरक्षा की विभिन्न विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि निडर होकर अपनी शिकायत पुलिस तक पहुंचानी चाहिए। उन्होंने अभय कमांड सेंटर और अन्य कंट्रोल रूम की जानकारी के साथ-साथ अपने आप में हौसला बनाए रखने की बात कही।

दीगोद की उपखण्ड अधिकारी एचडी सिंह एवं सेटलमेंट अधिकारी अनुपमा टेलर ने भी विचार रखे। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की ब्रांड एंबेसडर हेमलता गांधी ने कहा की हमें बेटियों को आगे बढ़ाने की बात नहीं बल्कि पुरुष और महिलाओं को बराबर दर्जे की बात चाहते हैं। बेटियों को समान हक मिलेगा तो निश्चित रूप से समाज में उन्नति आयेगी। एडीपीसी समग्र शिक्षा डॉ. उषा पंवार द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत कर अन्तराष्ट्रीय बालिका दिवस के उद्देश्यों के बारे में बताया। एपीसी अजीत लुहाडिया ने आभार व्यक्त किया तथा संचालन पुरुषोत्तम शर्मा एवं नीता डांगी के द्वारा किया गया।